

प्रभाव,

ओ०पी०तिवारी,
उप सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
प्राविधिक शिक्षा, उत्तराखण्ड
श्रीनगर (पौड़ी)।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 07 मार्च, 2011

विषय:- प्राविधिक शिक्षा विभाग हेतु वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए वित्तीय स्वीकृतियाँ निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

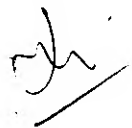
उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2286/नि.प्रा.शि./एका.तीन-01/2010-11, दिनांक 25.10.2010, पत्र संख्या-72कैम्प/नि.प्रा.शि./एका.-तीन-01/2010-11, दिनांक 04.12.2010, पत्र संख्या-85/नि.प्रा.शि./प्लान छै-01/2010-11, दिनांक 24.09.2010, पत्र संख्या-46कैम्प/नि.प्रा.शि./प्लान छै-01/2010-11, दिनांक 21.12.2010 एवं पत्र संख्या-84/नि.प्रा.शि./एका.तीन-01/2010-11, दिनांक 21.12.2010 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2010-11 में अनुदान संख्या-11 के आयोजनोत्तर पक्ष में उत्तराखण्ड प्राविधिक शिक्षा निदेशालय हेतु यात्रा भत्ता मद में ₹ 60,000/- (संलग्न बी०एम०-15 के अनुसार पुनर्विनियोग द्वारा) एवं अनुरक्षण मद में ₹ 10,000/- तथा के०एल० पालीटेक्निक, रुड़की के कार्मिकों के वेतनादि हेतु तृतीय किरत के रूप में ₹ 62,50,000/- तथा आयोजनागत पक्ष में पालीटेक्निक संस्थाओं के लिए विभिन्न अवचनबद्ध मदों में ₹ 33,00,000/-, इस प्रकार कुल ₹ 96,20,000/- (रुपये छियानवे लाख बीस हजार मात्र) की धनराशि अधोउल्लिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन व्यय किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2-- व्यय करने के पूर्व जिन मामलों में बजट मैनुअल, वित्तीय हस्तपुस्तिका के नियमों तथा अन्य स्थायी आदेशों के अन्तर्गत शासकीय अथवा अन्य सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, उनमें व्यय करने के पहले ऐसी स्वीकृति अवश्य प्राप्त कर ली जाय।

3-- किसी भी शासकीय व्यय हेतु प्रोक्योरमेन्ट रूल्स 2008, वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-1 (वित्तीय अधिकारी प्रतिनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-5 भाग-1 (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल) तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

4-- यह उल्लेखनीय है कि शासन के व्यय में मितव्ययिता नितान्त आवश्यक है। अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।

5-- कम्प्यूटर हार्डवेयर/साफ्टवेयर का क्रय करते समय सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा समय-समय पर जारी दिशा-निर्देशों तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली-2008 में निहित प्राविधानों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय। उक्तानुसार कार्यवाही पूर्ण करने के उपरान्त ही धनराशि आहरित/व्यय की जाय।



6- बजट मैनुअल पैरा-88 में इंगित किया गया है कि नियंत्रक अधिकारी या विभागाध्यक्ष, जैसी भी स्थिति हो इस बात को सुनिश्चित करने हेतु उत्तरदायी होंगे कि वित्तीय स्वीकृतियों के समक्ष व्यय के अनुश्रवण की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित की जाय और यदि किसी मामले में सीमाधिक व्यय दृष्टिगोचर हो तो उसे तत्काल शासन के संज्ञान में लाया जाय। बी.एम-13 पर नियमित रूप से सूचना विलम्बतः 15 तारीख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध करायी जाय। बजट मैनुअल के विभिन्न प्रपत्रों के माध्यम से भेजी जाने वाली सूचना समय से भेजा जाना सुनिश्चित किया जाय।

7- स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष व्यय केवल चालू स्वीकृत योजनाओं पर ही किया जायेगा और किसी भी दशा में इस धनराशि का उपयोग नई मदों के कार्यान्वयन हेतु नहीं किया जायेगा। उक्त स्वीकृत धनराशि का व्यय वर्तमान वित्तीय नियमों/शासनादेशों के तहत ही किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

8- अतिरिक्त अनुदान की प्रत्याशा में अनाधिकृत व्यय न किया जाय और इस प्रकार चालू वित्तीय वर्ष की देनदारी अगले वित्तीय वर्ष के लिए कदापि न छोड़ी जाय।

9- आयोजनागत पक्ष में स्वीकृत धनराशि का व्यय निर्धारित परिव्यय की सीमान्तर्गत ही किया जाना सुनिश्चित किया जायेगा।

10- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2010-11 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2203-तकनीकी शिक्षा के अधीन संलग्नक परिशिष्ट में उल्लिखित सम्बन्धित ब्यौरेवार शीर्षक/सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामें डाला जायेगा तथा संलग्न बी0एम0-15 के अनुसार वहन किया जायेगा।

11- यह धनराशि वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-845(P)/XXVII(3)/2010 दिनांक 03.03.2011 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक: यथोपरि।

भवदीय
24/03/11
(ओपी0तिवारी)
उप सचिव

संख्या एवं दिनांक उपरोक्त।

प्रतिलेपि निम्नलिखित को सूचनाथे एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. महालेखाकार, उत्तराखण्ड ऑबर्ॉय बिल्डिंग, माजरा देहरादून।
2. निदेशक कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड देहरादून।
3. समस्त वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी उत्तराखण्ड।
4. समस्त प्रधानाचार्य राजकीय पालीटेक्निक संस्थान उत्तराखण्ड।
5. वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग-3 उत्तराखण्ड शासन।
6. राष्ट्रीय सूचना केन्द्र सचिवालय परिसर देहरादून।
7. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय सचिवालय परिसर, देहरादून।
8. गार्ड फाईल

आज्ञा से,
(सुनील सिंह)
अनु सचिव


शासनादेश संख्या:-166/XI.I-I/2011-29/09 दिनांक 07 मार्च, 2011 का परिशिष्ट

राजस्व लेखा (आयोजनागत/आयोजनेत्तर) अनुदान संख्या:-11 (धनराशि रुपये हजार में)

लेखाशीर्षक/मानक मद		स्वीकृत धनराशि	
		आयोजनागत	आयोजनेत्तर
2203-	तकनीकी शिक्षा		
001-	निर्देशन तथा प्रशासन		
03-	प्राविधिक शिक्षा निदेशालय		
04-	यात्रा व्यय	-	पुनर्विनियोग द्वारा- 60
29-	अनुसंधान	-	10
	योग:-001-03		70
2203-	तकनीकी शिक्षा		
104-	अराजकीय तकनीकी कालेजों तथा संस्थानों को सहायता		
03-	के0एल0पालीटेक्निक रुड़की		
20-	सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता	-	6250
	योग:- 104-03		6250
105-	बहुशिल्प(पालीटेक्निक) विद्यालय		
03-	सामान्य पालीटेक्निक		
01-	वेतन	पुनर्विनियोग द्वारा- 1800	-
02-	मजदूरी	700	-
03-	महंगाई भत्ता	800	-
	योग:- 105-03	3300	
	महा योग-	3300	6320

आयोजनागत पक्षान्तर्गत- ₹ 33.00 लाख (रुपये तैतीस लाख मात्र)

आयोजनेत्तर पक्षान्तर्गत- ₹ 63.20 लाख (रुपये त्रैसठ लाख बीस हजार मात्र)


(सुनील सिंह)
अनु सचिव।

अनुदान संख्या-11 आयोजनगत

(धनराशि हजार में)

वर्ग प्रविधान तथा लेखा नोंदी का विवरण (आंक मंद)	मानक मदवार अत्यावधिक व्यय	वित्तिय वर्ष की शेष उत्पत्ति में व्यय	अवशेष (सारस्वत)	लेखा भाषाई किसमें धनराशि रवाना-वर्षित किया जाना है (आंक मंद)	पुनर्विनियोग के बाद कॉलम 5 युक्त धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद कॉलम-1 की धनराशि	अनुवित
1	2	3	4	5	6	7	8
2203-तकनीकी शिक्षा-105-बहुशिक्ष (पालीटेक्निक) विद्यालय-03-सामान्य पालीटेक्निक				2203-तकनीकी शिक्षा-105-बहुशिक्ष (पालीटेक्निक) विद्यालय-03-सामान्य पालीटेक्निक			कॉलम-1 में उल्लिखित मदों में सम्भावित बचत होने तथा कॉलम-5 में उल्लिखित मदों में धनराशि की आवश्यकता के दृष्टिगत पुनर्विनियोग द्वारा धनराशि का प्रस्ताव है।
12 कार्यालय फर्नीचर-	2500	785	915	800	39800	1700	
16 व्यापारिक सेवायें-	10000	2327	7173	500	1200	9500	
18 प्रकाशन-	100	0	0	100	14100	0	
26 मशीन साजसज्जा-	5000	0	4900	100		4900	
29 अनुक्षण-	500	23	77	400		0	
31 सामग्री संपूर्ति-	800	211	489	100		100	
42 अन्य व्यय-	3000	316	1484	1200		700	
46 कंप्यूटर/हार्डवेयर-	3000	0	2900	100		1800	
						2900	
योग	24900	3662	17938	3300	55100	21600	

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग से बजट में कुल के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्रतिबंध एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(ओपीओतिवारी)
उप सचिव

उत्तराखण्ड सचिवालय

वित्त(व्यय नियंत्रक) अनुभाग-3

संख्या: 845(P)/XXVII(3)/2011

देहरादून दिनांक 03 मार्च, 2011

सेवा में,

महालेखाकार, उत्तराखण्ड(लेखा एवं हकदारी),
ओबेराय विल्डिंग, माजरा देहरादून।

(पीएसओ जंगपांगी)

अपर सचिव, वित्त

उत्तराखण्ड शासन

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाएं एवं आवश्यक कयावाही हेतु प्रेषित

1. निदेशक प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड श्रीनगर पौड़ी।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौड़ी।
4. वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग-3

आज्ञा से
(ओपीओतिवारी)
उप सचिव

बजट प्रांक नाम तथा लेखा मापिक का विवरण (प्रांक मद)	सालिक मद का अंशविक वय	वित्तीय वर्ष की शेष कृति में वय	अवशेष (सरपस धनराशि)	लेखा मापिक जिसमें धनराशि धाना-तारित किया जाया है (प्रांक मद)	पुनर्विनियोग के बाद कॉलम-5 की कुल धनराशि	पुनर्विनियोग के बाद कॉलम-6 की अवशेष धनराशि	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
2203-तकनीकी शिक्षा-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-प्राविधिक शिक्षा निर्देशालय				2203-तकनीकी शिक्षा-001-निर्देशन तथा प्रशासन-03-प्राविधिक शिक्षा निर्देशालय			कॉलम-1 में उल्लिखित मद में सम्भावित बचत होने तथा कॉलम-5 में उल्लिखित मद में धनराशि की आवश्यकता के दृष्टिगत पुनर्विनियोग द्वारा धनराशि का प्रस्ताव है।
06-अन्य भत्ता	352	92	150	110	60	235	292
योग	352	92	150	110	60	235	292

प्रमाणित किया जाता है कि उपरोक्त पुनर्विनियोग से बजट में कुल के परिच्छेद 150, 151, 155, 156 में उल्लिखित प्रतिबन्ध एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(ओपीओतिवारी)
उप सचिव

उत्तराखण्ड सचिवालय
वित्त(व्यय नियंत्रक) अनुभाग-3

संख्या: 845(P) / XXVII(3) / 2011
देहरादून दिनांक 03 मार्च, 2011

सेवा में,
महालेखाकार, उत्तराखण्ड(लेखा एवं हकदारी),
ओबेराय विल्डिंग, माजरा देहरादून।

(पी.एस. जंगपांगी)
अपर सचिव, वित्त
उत्तराखण्ड शासन

संख्या व दिनांक तदैव

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनाार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित

1. निदेशक प्राविधिक शिक्षा उत्तराखण्ड श्रीनगर पौड़ी।
2. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवाएं, उत्तराखण्ड
3. वरिष्ठ कोषाधिकारी, पौड़ी।
4. वित्त (व्यय नियंत्रक) अनुभाग-3
5. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
(ओपीओतिवारी)
उप सचिव